

# हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

सीनियर सैकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (2023-24)

अंक योजना – हिन्दी (आधार) कोड : 502

कक्षा – बारहवीं

कुल अंक : 80

## सामान्य निर्देश :-

- 1 अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- 2 वर्णनात्माक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। बल्कि सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- 3 यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें , तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
- 4 मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्यानुसार नहीं , बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग संख्या	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	अंक विभाजन	
1	(i)	क श्रमहीन	1	
	(ii)	ख हवा का रुख अपने पक्ष में परिश्रम से ही किया जा सकता है।	1	
	(iii)	ख निरंतर परिश्रम करना	1	
	(iv)	घ श्रमहीन तरीके से प्राप्त करने पर	1	
	(v)	ग अपनी सुविधानुसार कर्म में लगना।	1	
2	(i)	ग आनन्द	1	
	(ii)	ग कवयित्री ने असफलता के बादलों कोसोने के सूत्र से घेरकर रखा है।	1	
	(iii)	ख विपरीत परिस्थितियों में भी आशा का दामन नहीं छोड़ना चाहिए।	1	
	(iv)	क प्रसन्नता के साथ ग्रहण करती हैं।	1	
	(v)	ख मनुष्य हताश न हो और समस्याओं का हल करने का प्रयास अथक भाव से करे।	1	
		<b>अथवा</b>		
	(i)	क पकी फसल को डसने वाले	1	
	(ii)	ग पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार	1	
	(iii)	ख देवनादी ओर भागीरथी	1	
	(iv)	ख मेहनत का फल हमेशा सुखदायी	1	
(v)	ग कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।	1		

3	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	ख हताशा ख आस-पास का वातावरण संगीतमय हो गया है घ किसान वर्ग के लिए घ धूप ग 1 (iii) , 2(i) , 3 (ii)	1 1 1 1 1
4	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	ख भक्तिन की घर-संपत्ति को हथिया सकें क छल-कपट तथा शोषण पर आधारित ख कोमल क धर्म ख 1 (ii) , 2(iii) , 3 (i)	1 1 1 1 1
5	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	घ सेवानिवृत्ति के बाद मित्रों के अपने घर पर रहने की पेशकश न करने के कारण ख जिज्ञासु ग समाजपोषित सभ्यता ख सिंधु घाटी की सभ्यता में राजतंत्र स्थापित नहीं था। ग कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।	1 1 1 1 1
6	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	ग सभी प्रकार की सूचनाओं की तत्काल प्राप्ति ख पत्रकारीय लेखन घ साक्षात्कार के समय कठिन व अनावश्यक प्रश्न करना घ प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों की खुराक भत्ते बढ़ाने की घोषणा घ लेखक विशेष को	1 1 1 1 1
7	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	ग रीति + अनुसार ग 1 (ii) , 2(iv) , 3 (ii) , 4 (i) घ यह काम मैं आसानी से कर सकता हूँ। ग पुनरुक्ति संबंधी ख कर्मधारय	1 1 1 1 1
8	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	ख परमवीर चक्र क प्यारे लाल कन्या विद्यालय गाजियाबाद ग (क) और (ख) दोनों ग करतार सिंह सराबा ख संसार सुखों का घर है।	1 1 1 1 1
		<b>खण्ड – ब</b> <b>वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर</b>	

9		<p><b>प्रसंग व संदर्भ</b> – बादल राग व कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'  <b>व्याख्या</b>— क्रान्ति से हमेशा समाज के निम्न वर्ग को लाभ व पूंजिपति वर्ग के मन में डर के भाव होते हैं।  <b>काव्य-सौन्दर्य</b> – प्रतीकात्मक शब्दावली , अनुप्रास व स्वर मैत्री अलंकार, ओज गुण व मुक्त छंद आदि।  <b>अथवा</b>  <b>(i)</b> श्री रघुवीर सिंह और कैमरे में बंद अपाहिज  <b>(ii)</b> अपाहिज व्यक्ति की पीड़ा।  <b>(iii)</b> अपाहिज के दुःख-दर्द को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाकर कार्यक्रम को प्रभावशाली बना सके।  <b>(iv)</b> अपाहिज तथा दर्शकों को रुलाकर, लोगों में अपाहिजों के प्रति सहानुभूति उत्पन्न करके कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाना।  <b>(v)</b> जब अपाहिज तथा दर्शकों दोनों ज़ोर-ज़ोर से रोएं और समाज में कार्यक्रम संचालक की लोकप्रियता बढ़े।</p>	1 2 1 1 1 1
10		<p><b>प्रसंग व संदर्भ</b> – धर्मवीर भारती व काले मेघा पानी दे  <b>व्याख्या</b> – विवेकानुसार  <b>विषेश</b> – विवेचनात्मक शैली, वाक्य विन्यास सटीक, भाषा सहज।  <b>अथवा</b>  <b>(i)</b> जैनेंद्र कुमार और बाज़ार दर्शन  <b>(ii)</b> अनुपयोगी / व्यर्थ या बेकार  <b>(iii)</b> संसार की इच्छाओं ,स्वादों और आनंदों का निषेध करना।  <b>(iv)</b> हमारी अपूर्णता का बोध कराकर, पूर्णता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करे।  <b>(v)</b> क्योंकि मन समस्त या संपूर्ण का अंग है , खुद कल नहीं है।</p>	1 3 1 1 1 1
11	<p><b>(i)</b></p> <p><b>(ii)</b></p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• भूमिका</li> <li>• विषय वस्तु</li> <li>• भाषा</li> </ul> <p><b>अथवा</b></p> <p>क</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• भयानक जंगल से गुजरते हुए बच्चों का रास्ते से भटक जाना।</li> <li>• बच्चों का अनेक डरावनी आवाज़ों से डर जाना ।</li> <li>• घर के सदस्यों की याद आना व उनके परेशान होने के भाव जागना।</li> <li>• एक दूसरे पर इस समस्या का दोषारोपण करना।</li> <li>• अंत में अनेक कष्टों को सहते हुए , धैर्य व बहादुरी के साथ जंगल का रास्ता ढुंढ़कर ,जंगल से बाहर निकलने के उद्देश्य में सफल हो जाना।</li> </ul> <p>ख छात्र के उत्तरानुसार विवेकपूर्ण मूल्यांकन</p>	1 3 1 5
12	<b>(i)</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पृथ्वी के आँचल में सुप्त अंकुरों का जाग जाना।</li> <li>• छोटे-छोटे पोधों तथा फसलों का वर्षा के बाद विकास की कल्पना।</li> <li>• बादलों रुपी क्रान्ति से निम्न वर्ग के जीवन के विकास की संभावना।</li> </ul>	3

	(ii)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• समाज में समानता की संभावना बनना।</li> <li>• लक्ष्मण की मूर्च्छा अवस्था के कारण राम की विलापीय स्थिति।</li> <li>• संजीवनी बूटी के आते ही उपचार से लक्ष्मण का स्वस्थ होना।</li> <li>• राम का रुदन, आशा और उत्साह में बदलना।</li> </ul>	2
13	(i)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• स्वतंत्रता, समता और भ्रातृत्व पर आधारित।</li> <li>• संपत्ति के अधिकार की व्यवसाय को चुनने का अधिकार।</li> <li>• व्यावहारिक रूप में जीवन यापन की समान सुविधाएं।</li> <li>• समाज के सब लोग एक दूसरे की सुरक्षा के प्रति सजग।</li> </ul>	3
	(ii)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• अमीर लोगों के ऐश्वर्य युक्त जीवन शैली को देखकर साधारण जन के मन में लालसा, ईर्ष्या तथा तृष्णा उत्पन्न होना।</li> <li>• पैसे की कमी के कारण आम जन का व्याकुल व हीन भावना का सामना करना।</li> </ul>	2
14	(i)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• यौवनकालीन जीवन में संयुक्त परिवार के आदर्शों व नियमों के कारण उनके शौक पूरे न होने के कारण।</li> <li>• बच्चों के नए जमाने की ओर अग्रसर होते हैं तो उनका साथ देने के लिए आधुनिकता का आचरण करती हैं।</li> <li>• यौवनकालीन जीवन के दबे शौक पूरे करने का मौका मिला है तो उन्हें पूरा करने के लिए आधुनिकता का आचरण करती हैं।</li> </ul>	3
	(ii)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• मराठी, अध्यापक ने उनकी बनाई गई लयबद्ध पंक्तियों को बच्चों के सामने गवाना।</li> <li>• स्कूल समारोह में लेखक के गाए गए गीत को सभी द्वारा पसंद करना।</li> </ul>	2
15	(i)	<p>यमक अलंकार – जहाँ किसी शब्द का एकाधिक बार भिन्न-भिन्न अर्थों में प्रयोग हो।</p> <p>जैसे- काली घटा का घमण्ड घटा।</p>	3
	(ii)	<p>व्यंजन संधि – व्यंजन के बाद स्वर या व्यंजन का विकार सहित मेल व्यंजन संधि।</p> <p>जैसे – सज्जन = सत + जन।</p>	2
16	(i)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• कर्तव्य परायणता और सहिष्णुता</li> <li>• धैर्यवान</li> <li>• देशभक्त</li> </ul>	3
	(ii)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• माता असहनीय कष्टों को सहन कर मानव जीवन का सृजन करती है।</li> <li>• मातृभूमि भिन्न-भिन्न श्रेष्ठ भोग्य पदार्थ देकर मानव को सार्थकता</li> </ul>	2

		प्रदान करती है।	
--	--	-----------------	--